राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

कोरोना समय में बच्चों का झरोखा

03 सितम्बर 2022: शनिवार: वर्ष – 03: अंक – 20

उलझन

आज की कविता

पापा कहते हैं डॉक्टर बनो, माँ कहती है इंजीनियर बनो, चाचा का कहना है कि कलेक्टर बनो, बहन घर में ही उद्योग लगाने की बात कहती है; बड़ी उलझन है कि क्या करें? बच्चे के मन की कोई नहीं सुनना चाहता। उसकी उलझन कोई नहीं समझता। इस उलझन की कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। NCERT

बस! अब और नहीं

आज की कहानी

क्या हम जानते हैं हमारे द्वारा फेका गया प्लास्टिक कचरा कहाँ-कहाँ का सफर तय करके अंत में कहाँ जाता है? सब कुछ समुन्दर में जाकर प्लास्टो बन जाता है और सालों साल वहीं मंडराता रहता है। समुन्दर कचराघर बन गया है। बस ! अब और नहीं फेकना है समुन्दर में कचरा। सुनते हैं कचरे की ये कहानी। चित्र पर क्लिक कर कहानी देखें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। RSCERT

हमारे घर

आज की किताब

कछुए की सख्त पीठ उसका कवच है, एक तरह से यही उसका घर है। चिड़िया घोंसले में रहती है। चींटी जमीन के नीचे छोटे छोटे बिलों में रहती है । किसी का घर छोटा है किसी का बड़ा । कोई पानी के अंदर तो कोई पेड़ की खोखल में। आइए पढ़ते हैं घरों की ये कहानी। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

कपडे की गुब्बारा गेंद

आज की गतिविधि

हमने प्लास्टिक की और रबर की गेंद तो देखीं हैं और खेली भी हैं लेकिन क्या कपड़े की गुब्बारा गेंद आपने कभी देखी और खेली है? शायद नहीं ! तो आज हम कपड़े की रंग बिरंगी कलियों और एक गुब्बारे की मदद से एक बहुत ही आकर्षक गुब्बारा गेंद बनाना सीखेंगे। विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

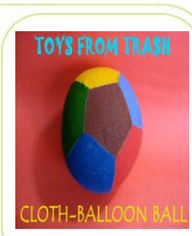

कन्यादान

टीचर्स कॉर्नर

कविताओं के कक्षा शिक्षण से जुड़े अनुभव बहुत कम पढ़ने को मिलते हैं। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण मामला है शिक्षकों का कविताओं से बहुत कम जुड़ाव होना। शचीन्द्र आर्य अपने इस आलेख में एक कविता के बारे में खुद की समझ और बच्चों के रेस्पॉन्स का विस्तार से जिक्र करते हैं। आलेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

बच्चे और किताबें

हमारा पुस्तकालय

पहली और दूसरी कक्षा तक आते आते आते 6 से 8 साल के बच्चे अपने आसपास की घटनाओं को देखने समझने लगते हैं और खुद से जोड़कर अनुभव करना शुरू कर देते हैं। उन्हें ऐसी कहानियाँ भाती हैं जिनमें किसी समस्या का समाधान निकाला गया हो। रविकांत ने पुस्तकालय के अनुभवों को यहाँ लिखा है। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें

शिक्षकों के लिए। Shiksha Vimarsh

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 123 वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोड़िए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।